LSE-13

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एससी.)
में
ऐच्छिक पाठ्यक्रम

पादप विविधता-II

1 जनवरी, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक वैध

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।

कृपया ध्यान दें

- बी.एससी. कार्यक्रम में ऐच्छिक पाठ्यक्रम चार विषयों – रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित और जीव विज्ञान – में उपलब्ध हैं। ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट 56 या 64 **कम से कम दो** और **अधिकतम चार** विषयों, में से हो सकते हैं।

- आपके द्वारा चुने गए किसी भी विषय में आपको **कम से कम 8 क्रेडिट** के ऐच्छिक पाठ्यक्रम लेने होंगे। किसी भी विषय में आप **अधिक से अधिक 48 क्रेडिट** के ऐच्छिक पाठ्यक्रम ले सकते हैं।

- आप भौतिकी, रसायन तथा जीव विज्ञान के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के जितने कुल क्रेडिट लेते हैं, उनमें से **कम से कम 25 प्रतिशत प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों** के होने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आप इन तीन विषयों में कुल 64 क्रेडिट के पाठ्यक्रम लेते हैं, तो इनमें से कम से कम 16 क्रेडिट प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के होने चाहिए।

- किसी पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराए बिना आप उसकी सत्रांत परीक्षा में नहीं बैठ सकते। अगर आप ऐसा करते हैं तो उस पाठ्यक्रम का परीक्षाफल रोक दिया जाएगा और इसका दायित्व भी आप पर ही होगा।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

(2023)

प्रिय विद्यार्थी,

हम उम्मीद करते हैं कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम में अपनायी गयी मूल्यांकन पद्धति से आप भली-भांति परिचित हैं। आपके नामांकन के बाद हमने आपको ऐच्छिक पाठ्यक्रम की एक कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग हैं उसे कृपया दुबारा पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं निरन्तर मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको **एक सत्रीय कार्य** करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम संख्या : .....

.....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य संख्या : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।

3) प्रत्येक काग़ज़ पर बांयें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर स्पष्ट होने चाहिए।

5) प्रश्नों के हल लिखते समय, स्पष्ट संकेतों द्वारा बताएं कि किस प्रश्न का कौनसा भाग हल किया जा रहा है।

6) यह सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2023 से लेकर 31 दिसम्बर, 2023 तक वैध हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका के मिलने के 12 हफ्तों के अन्दर ही सत्रीय कार्य पूरा करने की कोशिश कीजिए, ताकि सत्रीय कार्य का एक शिक्षण साधन की तरह उपयोग हो सके। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होनें वाली उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

7) परीक्षा फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।

अपनी उत्तर पुस्तिका की फ़ोटोकॉपी ज़रूर रखिए।

शुभकामनाओं के साथ।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : LSE-13
सत्रीय कार्य कोड : LSE-13/TMA/2023
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित के सूनामांकित चित्र बनाइए : (2½×4=10)
   i) प्ररोह शीर्ष की संरचना
   ii) फ्लोएम के विभिन्न घटक
   iii) परागकोष की अनुप्रस्थ काट
   iv) *साइकस* की प्रवाल मूल

2. क) गिंगों बाइलोबा को जीवित जीवाशम क्यों कहा जाता है? समझाइए। (5×2=10)

   ख) अधिचर्म द्वारा किए जाने वाले कार्यों का वर्णन कीजिए।

3. जिम्नोस्पर्म्स के आर्थिक महत्त्व का विस्तृत विवरण दीजिए। (10)

4. क) कोनिफर्म के समान्य गुणों के बारे में बताइए। *पाइनस* के नर और मादा शंकु के संरचना का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (5×2=10)

   ख) *नीटम* बहुत से मायनों में एन्जियोस्पर्म्स से कैसे मिलता है?

5. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखिए : (2½×4=10)
   i) त्वचारोम
   ii) श्वसन मूल
   iii) अनिषेकफलन
   iv) मॉसभक्षी पादप

6. निम्नलिखित में अंतर कीजिए : (2½×4=10)
   i) प्राथमिक और द्वितीय जड़
   ii) सरल और सयुक्त फल
   iii) पुमंग और जायांग
   iv) द्विबीजपत्री और एकबीजपत्री तना

7. क) निम्नलिखित पादपों के वानस्पतिक नाम लिखिए : (5×1=5)
      i) चावल
      ii) मूंगफली
      iii) मटर
      iv) आम
      v) अखरोट

   ख) किन्ही दो काष्ठ उत्पन्न करने वाले पेड़ो का वर्णन कीजिए। (5)

8. भारत में पाए जाने वाले औषधीय पादपों के नाम लिखिए। उनमें से किन्ही दो का उनके पारिस्थितिकी, वितरण, आकारिकीय विशेषताओं और उपयोगों को देते हुए विवरण दीजिए। (10)

9. क) ब्रैसीकेसी कुल के निदानात्मक लक्षणों को सूचीबद्ध कीजिए। (5×2=10)

ख) ऐस्टरेसी कुल के सदस्यों के आर्थिक महत्त्व का उल्लेख कीजिए।

10. क) निम्नलिखित के नाम दीजिएः (5×1=5)

i) सबसे छोटे पुष्पीय पादप

ii) अति विशाल जीवित वृक्ष

iii) जड़ परजीवी पादप

iv) मृतजीवी पादप

v) सबसे बड़ी पत्ती वाला पादप

ख) दो पादपों का वर्णन कीजिए जिनमें मसाले प्रकंद से प्राप्त होते हैं। (5)